



NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 6 - प्रेमचंद के फटे जूते



IndCareer
Schools



indCareer



indCareer



indCareer

NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 6 - प्रेमचंद के फटे जूते

Class 9: हिंदी Chapter 6 solutions. Complete Class 9 हिंदी Chapter 6 Notes.

NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 6 - प्रेमचंद के फटे जूते

NCERT 9th हिंदी Chapter 6, class 9 हिंदी Chapter 6 solutions

पृष्ठ संख्या: 65

NCERT 9th हिंदी Chapter 6, class 9 हिंदी Chapter 6 solutions

प्रश्न अभ्यास

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for9th-class-hindi-chapter-6-premchand-ke-p-hate-joote/>

1. हरिशंकर परसाई ने प्रेमचंद का जो शब्द चित्र हमारे सामने प्रस्तुत किया है उससे प्रेमचंद के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताएँ उभरकर आती हैं ?

उत्तर

प्रेमचंद के व्यक्तित्व की निम्नलिखित विशेषताएँ -

1. प्रेमचंद गांधी जी की तरह सादा जीवन जीते थे।
2. प्रेमचंद के विचार बहुत ही उच्च थे वे सामाजिक बुराइयों से दूर रहे।
3. प्रेमचंद एक स्वाभिमानी व्यक्ति थे।
4. प्रेमचंद को समझौता करना मंजूर न था।
5. वे हर परिस्थिति का डटकर मुकाबला करते थे।

2. सही कथन के सामने (✓) का निशान लगाइए -

क) बाएँ पाँव का जूता ठीक है मगर दाहिने जूते में बड़ा छेद हो गया है जिसमें से अँगुली बाहर निकल आई है।

ख) लोग तो इत्र चुपड़कर फोटो खिंचाते हैं जिससे फोटो में खुशबू आ जाए।

ग) तुम्हारी यह व्यंग्य मुसकान मेरे हौसले बढ़ाती है।

घ) जिसे तुम घृणित समझते हो, उसकी तरफ अँगूठे से इशारा करते हो ?

उत्तर

ख) लोग तो इत्र चुपड़कर फोटो खिंचाते हैं जिससे फोटो में खुशबू आ जाए। (✓)

3. नीचे दी गई पंक्तियों में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए -

(क) जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है। अब तो जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं।

(ख) तुम परदे का महत्व नहीं जानते, हम पर्दे पर कुर्बान हो रहे हैं।

(ग) जिसे तुम घृणित समझते हो, उसकी तरफ हाथ की नहीं, पाँव की अँगुली से इशारा करते हो ?

उत्तर

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for9th-class-hindi-chapter-6-premchand-ke-p-hate-joote/>

(क) यहाँ पर जूते का आशय समृद्धि से है तथा टोपी मान, मर्यादा तथा इज्जत का प्रतीक है। वैसे तो इज्जत का महत्व सम्पत्ति से अधिक है। परन्तु आज की परिस्थिति में इज्जत को समाज के समृद्ध एवं प्रतिष्ठित लोगों के सामने झुकना पड़ता है।

(ख) यहाँ परदे का सम्बन्ध इज्जत से है। जहाँ कुछ लोग इज्जत को अपना सर्वस्व मानते हैं तथा उस पर अपना सब कुछ न्योछावर करने को तैयार रहते हैं, वहीं दूसरी ओर समाज में कुछ ऐसे लोग भी हैं जिनके लिए इज्जत महत्वहीन है।

(ग) प्रेमचंद गलत वस्तु या व्यक्ति को इस लायक नहीं समझते थे कि उनके लिए अपने हाथ का प्रयोग करके हाथ के महत्व को कम करें बल्कि ऐसे गलत व्यक्ति या वस्तु को पैर से सम्बोधित करना ही उसके महत्व के अनुसार उचित है।

NCERT 9th हिंदी Chapter 6, class 9 हिंदी Chapter 6 solutions

4. पाठ में एक जगह लेखक सोचता है कि 'फोटो खिंचाने कि अगर यह पोशाक है तो पहनने की कैसी होगी ?' लेकिन अगले ही पल वह विचार बदलता है कि 'नहीं, इस आदमी की अलग-अलग पोशाकें नहीं होंगी,।' आपके अनुसार इस संदर्भ में प्रेमचंद के बारे में लेखक के विचार बदलने की क्या वजहें हो सकती हैं ?

उत्तर

लोग प्रायः ऐसा करते हैं कि दैनिक जीवन में साधारण कपड़ों का प्रयोग करते हैं और विशेष अवसरों पर अच्छे कपड़ों का। लेखक ने पहले सोचा प्रेमचंद खास मौके पर इतने साधारण हैं तो साधारण मौकों पर ये इससे भी अधिक साधारण होते होंगे। परन्तु फिर लेखक को लगा कि प्रेमचंद का व्यक्तित्व दिखावे की दुनिया से बिल्कुल भिन्न है क्योंकि वे जैसे भीतर हैं वैसे ही बाहर भी हैं।

5. आपने यह व्यंग्य पढ़ा। इसे पढ़कर आपको लेखक की कौन-सी बात आकर्षित करती है?

उत्तर

लेखक एक स्पष्ट वक्ता है। यहाँ बात को व्यंग के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। प्रेमचंद के व्यक्तित्व की विशेषताओं को व्यक्त करने के लिए जिन उदाहरणों का प्रयोग किया गया है, वे व्यंग को और भी आकर्षक बनाते हैं। कड़वी से कड़वी बातों को अत्यंत सरलता से व्यक्त किया है। यहाँ अप्रत्यक्ष रूप से समाज के दोषों पर व्यंग किया गया है।

NCERT 9th हिंदी Chapter 6, class 9 हिंदी Chapter 6 solutions

6. पाठ में 'टीले' शब्द का प्रयोग किन संदर्भों को इंगित करने के लिए किया गया होगा ?

उत्तर

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for9th-class-hindi-chapter-6-premchand-ke-p-hate-joote/>

टीला रस्ते की रुकावट का प्रतीक है। इस पाठ में टीला शब्द सामाजिक कुरीतियों, अन्याय तथा भेदभाव को दर्शाता है क्योंकि यह मानव के सामाजिक विकास में बाधाएँ उत्पन्न करता है।

NCERT 9th हिंदी Chapter 6, class 9 हिंदी Chapter 6 solutions

7. प्रेमचंद के फटे जूते को आधार बनाकर परसाई जी ने यह व्यंग्य लिखा है। आप भी किसी व्यक्ति की पोशाक को आधार बनाकर एक व्यंग्य लिखिए।

उत्तर-

मेरे हाथ में मेरे जिस मित्र का हाथ है, उसकी एक चीज़ का मैं हमेशा से कायल हूँ। वह है उसकी टाई की गाँठ। ऐसी साफ-सुथरी गाँठ आपके देखने में नहीं आई होगी। लगता है, जैसे जन्मजात ऐसी ही हो। कोई सिलवट नहीं, कोई बिखरावट नहीं। ऐसा नहीं है कि वे यह टाई सूट के साथ पहनते हों। गर्मियों में कमीज के साथ भी वे टाई पहनते हैं। तब भी टाई की गाँठ इसी तरह रहती है।

सच बताऊँ! मुझे एक भी ऐसा दृश्य याद नहीं आता, जब मैंने उन्हें टाई के बिना देखा हो। हाँ, एक बार मैं सुबह-सुबह उनके घर चला गया था। उस समय भी उन्होंने मुझे 45 मिनट प्रतीक्षा कराई। जब ड्राइंग रूम में आए तो टाई लगाए हुए थे। गाँठ तब भी वैसी थी, जैसे जन्मजात हो।

मैं सोचता हूँ इन्हें गाँठ लगाने का इतना शौक क्यों है? शायद इसलिए कि वे बिखराव को नहीं, गठन को पसंद करते हैं। इसलिए जब भी बोलते हैं, सँभलकर बोलते हैं। मैंने आज तक उन्हें व्यर्थ की गप्पें लड़ाते नहीं देखी। चुटकले सुनाते नहीं देखा। सुनाते क्या, चुटकलों पर हँसते भी नहीं देखा। यदि कोई उनके सामने कोई चुटकले पर हँस दे तो वे उसे 'बेहूदा' या 'बेशऊर' कहकर घंटों तक अपना मुँह बिगाड़े रहते हैं।

उनका एक ही सिद्धांत है-बोलो, तो ढंग का बोलो। वरना चुप रहो। ऐसा न समझिए, कि वे अकसर चुप रहते हैं। नहीं, वे अकसर बोलते पाए जाते हैं। और जब भी बोलते हैं-किसी-न-किसी राष्ट्रीय समस्या पर चिंता प्रकट करते पाए जाते हैं। उनका व्यक्तित्व गंभीर है। यदि कोई उनकी बात न सुन रहा हो तो वे उस पर व्यंग्य कसने लगते हैं। और अगर कोई और बीच में बोलना शुरू कर दे तो उसकी ओर से मुँह मोड़कर उबासी लेने लगते हैं।

मेरे टाई वाले मित्र की एक खूबी यह भी है कि वे हर किसी के गिरेबान में झाँकते हैं। उनकी एक-से-एक बेहूदी बात को बतंगड़ बनाकर पेश करते हैं। पर अपने गिरेबान में उन्होंने टाई बाँध रखी है, किसी को झाँकने नहीं देते। पिछले दिनों उन्हें कोई सदमा लगा। वे पागल हो गए। पेट ऐसे निकल आया जैसे दस बच्चे एक साथ प्रसव करेंगे। लोगों को उनके गिरेबान में न सही, बाहरी व्यक्तित्व में झाँकने का मौका मिल गया। परंतु तब वे छुट्टियाँ ले गए। तब तक वापस नहीं आए, जब तक उनकी देह वापस अपनी औकात पर न लौट आई।

सच बात तो यह है कि मेरे इस मित्र के पूरे जीवन में गाँठें ही गाँठें हैं। अपने बड़े होने की गाँठ। टाई तो बस ऊपरी गाँठ है। भीतर कितनी गाँठें हैं, यह उनकी पत्नी से हमने जाना। वे भी उनसे इतना डरती हैं जितना कि चपड़ासी साहब से। इसलिए बेचारी तभी हँसती हैं, जब वे चाहते हैं।

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for9th-class-hindi-chapter-6-premchand-ke-p-hate-joote/>

रचना और अभिव्यक्ति

8. आपकी दृष्टि में वेश-भूषा के प्रति लोगों की सोच में आज क्या परिवर्तन आया है ?

उत्तर

आज की दुनिया दिखावे के प्रति ज्यादा जागरूक है। अगर समाज में अपनी शान बनाए रखनी है तो महँगे से महँगे कपड़े पहनना आवश्यक हो गया है। यहाँ तक की व्यक्ति का मान-सम्मान और चरित्र भी वेश-भूषा पर अवलम्बित हो गया हैं। आज सादा जीवन जीने वालों को पिछड़ा समझा जाने लगा है।

पृष्ठ संख्या: 66

NCERT 9th हिंदी Chapter 6, class 9 हिंदी Chapter 6 solutions

भाषा अध्ययन

1. पाठ में आए मुहावरे छाँटिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

उत्तर

(1) अँगुली का इशारा - (कुछ बताने की कोशिश) मैं तुम्हारी अँगुली का इशारा खूब समझता हूँ।

(2) व्यंग्य-मुस्कान- (मज़ाक उड़ाना) तुम अपनी व्यंग भरी मुस्कान से मेरी तरफ़ मत देखो।

(3) बाजू से निकलना - (कठिनाईयों का सामना न करना) इस कठिन परिस्थिति में तुमने मेरा साथ छोड़कर बाजू से निकलना सही समझा।

(4) रास्ते पर खड़ा होना - (बाधा पड़ना) तुम मेरी सफलता के रास्ते पर खड़े हो।

2. प्रेमचंद के व्यक्तित्व को उभारने के लिए लेखक ने जिन विशेषणों का उपयोग किया है उनकी सूची बनाइए।

उत्तर

इस पाठ में प्रेमचंद के व्यक्तित्व को उभारने के लिए निम्नलिखित विशेषणों का प्रयोग हुआ है-

महान कथाकार

उपन्यास सम्राट

जनता के लेखक

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for9th-class-hindi-chapter-6-premchand-ke-p-hate-joote/>

साहित्यिक पुरखे

युग- प्रवर्तक।

NCERT 9th हिंदी Chapter 6, class 9 हिंदी Chapter 6 solutions



<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for9th-class-hindi-chapter-6-premchand-ke-p-hate-jote/>

Chapterwise NCERT Solutions for Class 9 हिंदी :

- पाठ 1- दो बैलों की कथा
- पाठ 2 - ल्हासा की ओर
- पाठ 3 – उपभोक्तावाद की संस्कृति
- पाठ 4 – साँवले सपनों की याद
- पाठ 5 – नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया
- पाठ 6 – प्रेमचंद के फटेजूते
- पाठ 7 – मेरे बचपन के दिन
- पाठ 8 – एक कुत्ता और एक मैना
- पाठ 9 – साखियाँ एवं सबद
- पाठ 10 – वाख
- पाठ 11- सवैये
- पाठ 12 – कैदी और कोकिला
- पाठ 13 – ग्राम श्री
- पाठ 14 – चंद्र गहना से लौटती बेर
- पाठ 15 – मेघ आए
- पाठ 17 – बच्चे काम पर जा रहे हैं

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for9th-class-hindi-chapter-6-premchand-ke-phate-joot/>

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc. Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices; collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education. In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education. Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. [Visit the Official NCERT website](https://www.ncert.nic.in/) to learn more.

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for9th-class-hindi-chapter-6-premchand-ke-p-hate-joote/>